मैथिली क्षेत्रीय ही नहीं राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय भाषा

- साहित्य अकादमी द्वारा वेब लाइन साहित्य श्रृंखला के तहत युवा साहित्य कार्यक्रम का आयोजन

प्रतिनिधि, सहरसा

साहित्य अकादमी द्वारा वेब लाइन साहित्य श्रृंखला के तहत युवा साहित्य कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया. कार्यक्रम में मिथिला के विभिन्न जिलों से आये 12 मैथिली भाषा के कवि, कवित्रियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का प्रारंभ साहित्य अकादमी दिल्ली के मैथिली भाषा समन्वयक डॉ अशोक कुमार झा अविचल के अध्यक्षीय भाषण से हुआ. उन्होंने कहा कि मैथिली क्षेत्रीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय भाषा है. मैथिल जहां जाते हैं, अपनी भाषा एवं संस्कृति के साथ जाते हैं. मैथिली लेखकों का केंद्र कोलकाता, दिल्ली, पटना, हैदराबाद सहित अन्य ज़गह है. इसके बाद कवियों ने अपनी कविता के माध्यम से वाहवाही बटोरी. मैथिली के युवा कवि मुख्तार आलम ने ईश्वर से संवाद, एतबा भलाक बादो एवं आत्मकथ्य कविता का पाठ किया. उन्होंने इन पंक्तियों के माध्यम से कहा कि कविता हमरा लेल एकटा हथियार थिक. यही सै हम अपन सामाजक लेल लड़ैय थीक. प्रदीप पुष्प ने गजल के माध्यम से कहा कि कहिया घड़ी सबहक पेट भरे खेत, कहियो टुकडी टुकड़ी भ मरैत खेत कविता का पाठ किया. सोनी नीलू झा ने राम शीर्षक कविता के माध्यम से अपनी कविता पाठ की. संस्कृति मिश्र ने स्त्री, अम्रपाली, आलीशान महल के आधार कविता का पाठ किया. रामकृष्ण प्रार्थी ने मजदूर आधारित कविता पाठ किया. कार्यक्रम का संचालन अकादमी सचिव सुरेश बाबू ने किया. कार्यक्रम में चर्चित युवा कवि मुख्तार आलम,अंशुमान सत्यकेतु, प्रदीप पुष्प, निशाकर, प्रीतम निषाद, सोनी नीलू झा, संस्कृति मिश्र, रूपम झा, रामकृष्ण प्रार्थी, विजय कुमार यादव, उमेश मंडल, साकेत ठाकुर मुख्य रूप से शामिल हुए.

Jamshedpur : साहित्य अकादमी के कार्यक्रम में 12 कवियों ने किया कविता पाठ, डॉ अशोक झा ने युवा साहित्यकारों को लेखन व लेखनी के प्रति समर्पण की सीख दी

By Team Sharp Bharat Anand Mishra अगस्त 16, 2021 खबर

Share

जमशेदपुर : साहित्य अकादमी नई दिल्ली संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आज मैथिली साहित्य के लिए युवा सहित ई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों के 12 कवियों ने अपनी कविता का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादमी के उप सचिव डॉ सुरेश ने किया एवं उद्घाटन व स्वागत डॉ अशोक कुमार झा संयोजक मैथिली परामर्श दात्री समिति एवं प्राचार्य एलबीएसएम कॉलेज जमशेदपुर ने किया। डॉ अशोक कुमार झा युवा पीढ़ी के साहित्यकारों को साहित्य का भविष्य बताते हुए लेखनी के प्रति समर्पित होकर लेखन कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण ,मानवता, प्रकृति और सृष्टि के बीच समन्वय का सेतु बनने का आग्रह किया। उन्होंने एक कविता भी सुनाई और 'हम कवि छी, छी करैत शब्दक साधना, ल कल्पनाक सहायता, छी करैत शब्द ब्रह्मक उपासना ···' कविता के साथ कवि गोष्ठी को प्रारंभ किया। डॉ सुरेश ने अपार काव्य संसारे कवि: प्रजापति के साथ कार्यक्रम का संचालन प्रारंभ किया। कार्यक्रम में प्रीतम निषाद ,मुख्तार आलम ,रूपम झा,सोनी नीलू झा, प्रदीप पुष्प,साकेत ठाकुर, निशा कर ,रूपम झा ,अंशुमान सत्यकेतु ,प्रदीप पुष्प ,संस्कृति मिश्रा व अन्य ने राष्ट्रीय चेतना, कोरोना ,सामाजिक संबंधों में विसंगतियों, सांप्रदायिकता आदि पर केंद्रित यथार्थ परक कविताओं का पाठ किया। फेसबुक और यूट्यूब के माध्यम से अनेक पाठकों ने इसमें अपनी सहभागिता दी।

सच, सोच और समाधान
झारखंड वाणी
क्योंकि सच ज़रूरी है...

साहित्य अकादमी नई दिल्ली संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आज मैथिली साहित्य के लिए युवा सहित ई कार्यक्रम का आयोजन किया गया

साहित्य अकादमी नई दिल्ली संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आज मैथिली साहित्य के लिए युवा सहित ई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों के बारह कवियों ने अपनी कविता का पाठ किया कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादमी के उप सचिव डॉ सुरेश बाबू ने किया एवं उदघाटन एवं स्वागत डॉ अशोक कुमार झा संयोजक मैथिली परामर्श दात्री समिति एवं प्राचार्य एलबीएसएम कॉलेज जमशेदपुर ने की डॉ अशोक कुमार झा युवा पीढ़ी के साहित्यकारों को साहित्य का भविष्य बताते हुए लेखनी के प्रति समर्पित होकर लेखन कार्य करने का आग्रह किया । उन्होंने युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण ,मानवता, प्रकृति और सृष्टि के बीच समन्वय का सेतु बनने का आग्रह किया। उन्होंने एक कविता भी सुनाई और कविता के साथ कवि गोष्ठी को प्रारंभ किया कि

हम कवि छी
छी करैत शव्दक साधना
ल कल्पनाक सहायता
छी करैत शव्द ब्रह्मक उपासना

सुरेश बाबू ने अपार काव्य संसारे कवि: प्रजापति के साथ कार्यक्रम का संचालन प्रारंभ किया। आज के कार्यक्रम में प्रीतम निषाद ,मुख्तार आलम ,रूपम झा,सोनी नीलू झा, प्रदीप पुष्प,साकेत ठाकुर, निशा कर ,रूपम झा ,अंशुमान सत्यकेतु ,प्रदीप पुष्प ,संस्कृति मिश्रा आदि नेअपनी – अपनी कविताओं का पाठ किया राष्ट्रीय चेतना, कोरोना ,सामाजिक संबंधों में विसंगतियों, सांप्रदायिकता आदि पर केंद्रित यथार्थ परक कविताओं का पाठ किया।फेसबुक और यूट्यूब के माध्यम से काफी पाठकों ने इसमें अपनी सहभागिता दी।